हिन्दी त्रैमासिक बुलेटिन

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रतिभा

प्रथम संस्करण अप्रैल-जून, 2023

महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) का कार्यालय, ओडिशा
शाखा: लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II, पुरी

महालेखाकार महोदय का संदेश

यह अत्यंत गर्व की बात है कि उप महालेखाकार (लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह –II) का कार्यालय, पुरी द्वारा हिन्दी बुलेटिन की शुरुआत की गई है। मेरा मानना है कि प्रतिभा की पहचान प्रगति की परिचायक है । इसलिए व्यक्तिगत तौर पर मुझे इस बात की ज्यादा खुशी है कि बुलेटिन का नाम "प्रतिभा" रखा गया है और इसमें कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके बच्चों में मौजूद विशेष प्रतिभा को स्थान दिया गया है। यह वास्तव में एक प्रेरणादायक कार्य है । प्रभु जगन्नाथ की इस पावन धरती पर हमारी 'प्रतिभा' पाठकों के अंदर छिपी प्रतिभा को भी सामने लाने में निश्चित तौर पर अपनी भूमिका निभाएगी।

मेरी ओर से कार्यालय, उप महालेखाकार (लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II), पुरी और विशेषकर इस बुलेटिन की सूत्रधार उप महालेखाकार (ले.प.प्र.स-II) को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

महालेखाकार
(लेखापरीक्षा-II)

उपमहालेखाकार महोदया के कलम से

'प्रतिभा' के प्रथम अंक के सफलता पूर्वक प्रकाशन के लिए मैं इसके समस्त रचनाकारों तथा हिन्दी कक्ष को बधाई देती हूँ एवं आशा करती हूँ कि कार्यालय के सभी कर्मचारी एवं अधिकारी राजभाषा के प्रचार एवं प्रसार में ऐसे ही भरपूर सहयोग प्रदान करते रहेंगे।.....

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे शाखा कार्यालय लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II की हिन्दी त्रैमासिक बुलेटिन " प्रतिभा" का प्रथम अंक प्रकाशित किया जा रहा है। राजभाषा हिन्दी के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उत्साह को देखकर भी मन व मस्तिष्क प्रफुल्लित हो जाती है।

शुभकामनाओं सहित

(श्रीमती राधिका सुरेश)
उप महालेखाकार, लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II, पुरी

उत्कल दिवस समारोह -2023

उत्कल दिवस समारोह -2023 का आयोजन संयुक्त रूप से शाखा कार्यालय लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-I। एवं प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय, ओडिशा, शाखा: पुरी द्वारा उप महालेखाकार श्रीमती राधिका सुरेश महोदया (ले.प.प्र.स-II) एवं उप महालेखाकार एस मनोंमणि महोदया (लेखा एवं हकदारी) के तत्वधान में किया गया जिसमें दोनों कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनेअपने परिवार के सदस्यों के साथ उपस्थित थे । श्री मती राधिका सुरेश, उप महालेखाकार एवं एस मनोंमणि, उप महालेखाकार ने कार्यालय के कार्मिकों को उत्कल दिवस की शुभकामना दिए । उत्कल दिवस के अवसर पर श्री राज्यवर्धन धल महापात्रा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया जिन्होंने उत्कल दिवस के महत्व से सभी को अवगत करवाये। इस शुभावसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बाहर के कलाकारों के आलावा हमारे कार्यालयों के कार्मिकों के परिवार के सदस्यों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिए। श्रीमती अंकिता कुमारी अजय,महालेखाकार (लेखापरीक्षा-।।), ओडिशा, भुवनेश्वर कार्यालय के श्री शैलेंद्र कुमार, हिंदी अधिकारी की पत्नी एवं थिरसा रिया नायक, लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II, पुरी कार्यालय के श्री खुशीराम नायक, वरिष्ठ लेखापरीक्षक की पुत्री ने ओडिशी नृत्य किए जिनके नृत्य प्रदर्शन ने सभी दर्शक को भाव-विभोर कर दिए । कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री आनंद कुमार,AARC के सचिव , श्री सरोज रंजन जेना , श्री शिवाशीष पाणिग्राही , सुश्री वर्षारानी प्रतिहारी, जावेद फिरोज, श्री अजय साव एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का अहम योगदान रहा।

श्रीमती अंकिता कुमारी अजय का परिचय

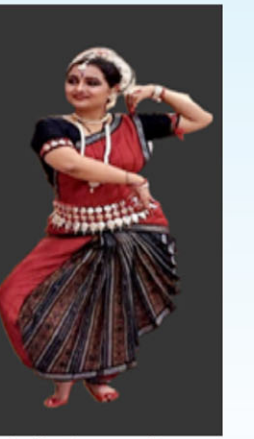

श्रीमती अंकिता कुमारी अजय

श्रीमती अंकिता कुमारी अजय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-।।), ओडिशा, भुवनेश्वर कार्यालय के श्री शैलेंद्र कुमार, हिंदी अधिकारी की पत्नी हैं। श्रीमती अजय मूल रूप से झारखंड (पूर्व में बिहार) की निवासी हैं। इन्हे रांची विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य से स्नातकोत्तर की उपाधि के साथ- साथ बी.एड. की उपाधि प्राप्त हैं। वर्ष 2018 में ओडिशा स्थानांतरण के पश्चात कोविड काल के समाप्त होने पर इन्होने वर्ष 2022 से ओडिया नृत्य कला की शिक्षा प्राप्त करना आरंभ किया और शीघ्र ही इस कला में निपुणता के मार्ग पर चल पड़ी जिसके परिणामस्वरूप भुवनेश्वर तथा पुरी स्थित विशेष कला मंडपो जिसमें गुरू केलूचरण महापात्र ओडिशा रिसर्च सेंटर, भंजकला मंडप तथा पुरी स्थित अन्नपूर्णा कला मंडप में अपना नृत्य पर्फोमेंस दिया है। श्रीमती अंकिता कुमारी अजय को देबांशी कलिंग नृत्यश्री अवार्ड 2022 (इंटरनेशनल मेगा डांस फेस्टिवल), अंगीकारम मंगलम नाट्यर्पनम (ऑल इंडिया क्लासिकल डांस टैलेंट हंट अवार्ड 2022), श्यामा महोत्सव अवार्ड 2022 (जागृति), १६वां देवदासी नेशनल डांस फेस्टिवल (ऑल इंडिया क्लासिकल डांस टैलेंट हंट अवार्ड 2022), मां भूआसुनी यूथ ट्रस्ट द्वारा गजलक्ष्मी पूजा कल्चरल प्रोग्राम अवार्ड 2022, त्रिभंगा कला निकेतन द्वारा ऑल इंडिया डांस म्यूजिक एंड आर्ट फेस्टिवल के लिए कला समर्पण अवार्ड 2022, गुरू शिष्य परंपरा अवार्ड 2022 (अन्नपूर्णा थियेटर, पुरी) से सम्मानित किया जा चुका है।श्रीमती अंकिता कुमारी अजय भगवान जगन्नाथ की धरती ओडिशा में आकर अपने आप को संपूर्ण पाती हैं और ओडिशा के मंदिरों में उद्भव तथा भारत की प्राचीनतम नृत्य को अपनाकर वे सदैव प्रभु के आशीष को अपने ऊपर महसूस करती हैं। वे उपमहालेखाकार कार्यालय, पुरी शाखा के उपमहालेखाकार महोदया श्रीमती राधिका सुरेश का विशेष आभार व्यक्त करती हैं जिन्होने उन्हे कार्यालय में उत्कल दिवस 2023 के अवसर पर मंच प्रदान कर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया। वे कार्यालय के समस्त कार्मिकों को भी धन्यवाद व्यक्त करती हैं जो इस कला के साक्षी बनें और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। वे अपनी नृत्य गुरू श्रीमती क्षन्यप्रभा परिदा को विशेष आभार व्यक्त करती हैं जिन्होने उन्हें मंच की सीढ़ियों तक जाने के मार्ग को सुगम बनाकर मंच तक पहुंचाया। वे ओडिशा को भी विशेष धन्यवाद देना चाहती हैं कि ओडिशा ने उन्हे यह आत्मीय अवसर प्रदान किया है जो शायद उन्हे कहीं ओर नहीं मिल पाता।

सुश्री थिरसा रिया नायक का परिचय

थिरसा रिया नायक

थिरसा रिया नायक , लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-।।, पुरी कार्यालय के श्री खुशीराम नायक, वरिष्ठ लेखापरीक्षक की पुत्री है जिसकी उम्र मात्र 14 वर्ष की है । थिरसा ब्लेस सेक्रामेंट हाई स्कूल , पुरी के कक्षा 9 वीं की छात्रा है। उसकी जन्मस्थल कोरापुत (सुनाबेड़ा) रहा है। उसने वर्ष 2015 से ओडिया नृत्य कला की शिक्षा प्राप्त करना आरंभ किया और शीघ्र ही इस कला में निपुणता के मार्ग पर चल पड़ी। वह संगीत परिषद ,पुरी से ओडिशी नृत्य का प्रशिक्षण लेना प्रारंभ की वह जल्द ही इस क्षेत्र में इतनी निपुण हो गयी कि वह कई सारे मंचो पर अपनी नृत्य पर्फोमेंस दी । इतना ही नहीं उसकी रुचि चित्रकारिता में भी रहीं है। चित्रकारिता के क्षेत्र में भी वह अब्बल रही है। आर्टिस्ट असोशिएशन द्वारा अन्नपूर्णा थियेटर में आयोजित विश्व नाट्य दिवस-2018 में चित्रकारिता के लिए सम्मानित की जा चुकी है । चित्रकारिता के लिए उन्हें नेशनल चिल्ड्रेन फेस्टिवल अवार्ड(2017), 17 वीं ओडिशा आइडियल अवार्ड (2017), टैलंट फेस्ट -2018 अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। नृत्य के लिए उन्हें 12 वीं देवदासी इंटरनेशनल डांस फेस्टिवल -2017 अवार्ड, नृत्य कालिका अवार्ड-2021 एवं नृत्य कालिका अवार्ड-2022 से सम्मानित किया जा चुका है।

नराकास, पुरी द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए प्रदत्त पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तरफ से वर्ष 2022-23 में अधिकतम कार्य हिन्दी में करने एवं राजभाषा के प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु दिनांक 09.06.2023 को आयोजित नराकास बैठक में महालेखाकार (ले.प-II) का कार्यालय, ओडिशा शाखा लेखा परीक्षा प्रबंधन समूह-II, पुरी को द्वितीय स्थान प्रदान कर शील्ड एवं प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II, पुरी के उप महालेखाकार श्रीमती राधिका सुरेश महोदया ने हिन्दी कक्ष एवं कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा में अधिक से अधिक कार्य करने एवं राजभाषा के प्रचार प्रसार में अमूल्य योगदान देने हेतु सभी के प्रयास की प्रशंसा की एवं सभी कार्मिकों को बधाई दिए। इस उपलब्धि हेतु महालेखाकार (ले.प-II) महोदय ने भी विशेष बधाई दिए।

नगर में हिन्दी कार्यों एवं राजभाषा के प्रचार प्रसार में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु द्वितीय अवार्ड शील्ड लेते हुए उपमहालेखाकार महोदया श्रीमती राधिका सुरेश

राष्ट्रीय आय की अवधारणा

मनोज कुमार सामल
वरिष्ठ लेखा परीक्षाअधिकारी

राष्ट्रीय आय एक व्यापक आर्थिक चर है जो किसी राष्ट्र की आर्थिक स्थिरता को निर्धारित करने में मदद करता है। यह एक वर्ष में सभी आर्थिक गतिविधियों से देश को अर्जित कुल आय का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय आय की गणना करने के सबसे पसंदीदा तरीके में दो अवधारणाएँ शामिल हैं, अर्थात्सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी)।

जीडीपी और जीएनपी के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर नीचे दी गई तालिका में दिखाया गया है :

जीडीपी	जीएनपी
जीडीपी एक वित्तीय वर्ष में किसी राष्ट्र की भौगोलिक सीमाओं के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है।	जीएनपी एक वित्तीय वर्ष में भौगोलिक सीमाओं के बावजूद किसी राष्ट्र के नागरिकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है।
स्थानीय पैमाना	अंतर्राष्ट्रीय पैमाना
यह केवल घरेलू उत्पादन को मापता है।	यह केवल राष्ट्रीय उत्पादन को मापता है।
यह घरेलू स्तर पर प्राप्त होने वाले उत्पादन पर जोर देता है।	यह उस उत्पादन पर जोर देता है जो विभिन्न राष्ट्रों में रहने वाले नागरिकों द्वारा प्राप्त किया जाता है।
वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन अर्थव्यवस्था के बाहर किया जा रहा है।	वे वस्तुएँ और सेवाएँ जो देश में रहने वाले विदेशियों द्वारा उत्पादित की जाती हैं।
यह देश की अर्थव्यवस्था की ताकत पर प्रकाश डालता है।	यह अर्थव्यवस्था के विकास में निवासियों के योगदान पर प्रकाश डालता है।

मेरी कहानी अपनी जुबानी

सौमेन्द्र मिश्रा
पर्यवेक्षक,

क्या लिखूँ ? कहाँ से शुरू करू कुछ समझ मैं नहीं आ रहा। लिखना तो बहुत कुछ था बताना तो बहुत कुछ था परंतु शब्दों की सीमा सीमित होने के कारण अपनी जिंदगी की कुछ ऐसे अहम पलों को आपके समक्ष जिक्र करने जा रहा हूँ जिससे बहुत कम लोग परिचित है। जिंदगी के इस भागमडोर में बांसुरी मेरा सच्चा साथी है जो सारथी की तरह मेरे जिंदगी को उलझने एवं परेशानी से दूर ले जा रहा है। हर रोज यह बांसुरी मेरे जिंदगी का सारथी बनकर मुझे इस जिंदगी की महाभारत से लड़ने का हिम्मत प्रदान करता है। बांसुरी बजाना अब मेरे जिंदगी की एक आदत बन चुकी है जिससे मुझे परम आनंद की अनुभूति होती है। यह पीड़ादायक जिंदगी में यही एक बांसुरी है जो मुझे सारे कष्टों से दूर रखती है। ख्याल भी नहीं आता बांसुरी बजाने वक्त की मेरी जिंदगी बहुत कम बची है। एहसास भी नहीं होता की यह जिंदगी मेरे लिए मेहमान है। यह भी ख्याल नहीं आता कि यह बांसुरी बजाने वाला शख्स मौत से लड़ रहा है यानि Polycythemia Vera, एक किस्म के ब्लड कैंसर से पीड़ित है इतना ही नहीं जिसके हृदय में ब्लड क्लाट होने के कारण स्टंट लगा हुआ है। इतना कुछ मेरे साथ होने के बावजूद भी सुबह एवं शाम एक-एक घंटे बांसुरी बजाकर जीवन में सच्ची सुख की अनुभूति होती है। बांसुरी बजाना मेरी जिंदगी के लिए एक योगा है जो मुझे हर दिन जिंदगी जीने की हिम्मत देती है। जीवन की शुरुआत से लेकर अभी तक यह जिंदगी संघर्षपूर्ण रही। बचपन में जेब खर्च के पैसे को बचाकर एक बांसुरी खरीदा। बांसुरी तो खरीदा लेकिन बांसुरी सिखाने वाला वादक गुरु नहीं मिला। कहते है न कुछ सीखने की जज़्बात हो तो ईश्वर भी उनका साथ देते है। खुद की चाहत से बांसुरी बजाना सीखा। बांसुरी की राग को समझा।

लेखापरीक्षा-जीवन में सेवा के बहुत आयामी क्षण

शेखर कुमार
सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

लेखापरीक्षाक्षेत्र एक ऐसा वृहद क्षेत्र है जहाँ हमारे सम्पूर्ण कार्य सेवा के दौरान हमें यह हमेशा एक से एक ऐसे सुनहरे अवसर प्रदान करता है, जहाँ हमें अपने कार्य कौशल और ज्ञान वर्धन को निखारने के कई उत्कृष्ट सेवाओं से साक्षात्कार होना पड़ता है। लेखापरीक्षा के दौरान कई विधानों,नियमों आयामों इत्यादि से स्वयं को अधतन करना और प्रयोग में लाना।

वास्तव में लेखापरीक्षा हमारे सम्पूर्ण कार्य सेवा के दौरान हमें जीवन में बहुत कुछ सिखाता है और यथार्थ से स्वयं को परीचित रखने में हमें बहुत आयामी कार्य क्षेत्र प्रदान करता है।

सनातन धर्म (भाग-1)

शिवाशीष पाणिग्राही
वरिष्ठ लेखापरीक्षक

जब मुझे कुछ लिखने के लिए बोला गया, तो मैंने सोचा की चलो अपने सनातन धर्म को याद कर ले। आइए इसका ज्ञान कितना विशालहे आपको संक्षिप्त में बताता हूँ। सनातन' का अर्थ है - शाश्वत या 'सदा बना रहने वाला', अर्थात् जिसका न आदि है न अन्त हे।

सनातन धर्म के बारे मे पढ़ाई कहाँ से शुरू करें ?

सनातनी स्क्रिप्ट का "छ" भाग हैं **(श्रुति, श्रीती, इतिहासा, पुराना, अगमस, दर्शन)**। आज मैं आपको सनातनी स्क्रिप्ट का पहला भाग **श्रुति** के बारे मे बताऊंगा। **श्रुति** को ही वेदया अपौरुषेय कहा जाता हे, क्यूंकि इसका कोई रचयिता (AUTHOR) नहीं है । यह वो है जो ऋषि मुनियों को ध्यान के समय मे प्राप्त हुआ था। **श्रुति** या वेद को चार भागों मे बांटा गया है।, वो हे **"ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्व वेद"** ।ऋग्वेद के **21**,यजुर्वेद के **109**, सामवेद **1000**, अथर्व वेद का **50** खंड है। इसे **उप-वेद** भी कहा जाता है। यजुर्वेद के दो भाग है **"शुक्ल यजुर्वेद एवं कृष्ण यजुर्वेद"**। हर वेद को चार भागों मे बांटा गया हे जेसे **"मंत्र संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद"**।**मंत्र संहिता**मे देवता या प्रकृतिक शक्ति से जुड़ी मंत्र है। ब्रह्मचर्य आश्रम का पालन करनेवाले इसका अध्ययन करते हें। **ब्राह्मण**भाग मे अलग अलग यज्ञ अनुष्ठान का विधी हे जिसमे मंत्र संहितामें दिये मंत्रों का उच्चारण होते है । **ब्राह्मण**भागके दो भाग है **"ऐत्रीय एवं सांखेय"**। शुक्ल यजुर्वेद के ब्राह्मण भाग का नाम है **"शतपथ ब्राह्मण"** एवं कृष्ण यजुर्वेद के ब्राह्मण भाग का नाम है **"तैत्रिया एवं मैत्रीयन"**। **आरण्यक**भाग मे,"मंत्र संहिता एवं ब्राह्मण भाग" मे आये हुए मंत्रों को दार्शनिकभाव से समझाया गया है । उपनिषद वेदों के मुख्य भाग है,इसमे **आत्म, परमात्मा एवं परमब्रह्म, जीबन** के गूढ रहस्य के बारे मे बताया गया है।सन्यास आश्रम मे यह उपयोग होता है ।उपनिषदों में से मुख्य उपनिषद है**"इषा उपनिषद, केनो उपनिषद, कथा उपनिषद, प्रस्न उपनिषद, मुंडक उपनिषद, मंडूक्य उपनिषद, ऐत्रिया उपनिषद, तैत्रिया उपनिषद, चंड्डोग्य उपनिषद, बृहदरण्य उपनिषद।**

ये था सनातनी स्क्रिप्ट का पहला भाग **श्रुति** के बारे में।

फिर लौटेंगे भाग -2 को ले के .....

कार्यालय के कार्मिकों के परिवार के सदस्यों की प्रतिभा की कुछ झलकियाँ

श्रीमती रजनी विश्वकर्मा
पति : श्री आनन्द कुमार, वरिष्ठ लेखापरीक्षक

श्रीमती गायत्री पंडा
पति : श्री शिवाशीष पाणिग्राही

जगजीत राय
पुत्र : कविता राय, सहायक पर्यवेक्षक

संतोषणी नायक
नतिनी : झुनु देवी,एम.टी.एस

लेखा तथा लेखापरीक्षा शब्दावली

Central Audit Party	:	केन्द्रीय लेखापरीक्षा पार्टी / दल
Commercial Audit Wing	:	वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कक्ष / स्कंध
Co-ordination Section	:	समन्वय अनुभाग
Internal test audit	:	आंतरिक नमूना लेखापरीक्षा
Voucher	:	वाउचर / प्रमाणक

मेरे पापा

सुश्री प्रियंका प्रधान
लेखापरीक्षक

मेरे पापा की अबर्तमान में एक साल । इस एक साल की आवर्तन में जो चुप्पी, निराशा है और उस चुप्पी की शोर पूरे जीवन को अस्त व्यस्त कर चुकी है। एहसास और अनुभव तो समय की डोरी से बंधकर चलते है। वो जो एहसास अनुभव है उसका कोई उपाय नहीं । स्थूलरूप में हो या सुक्ष्मरूप में, मेरी नाम, संज्ञा और चलन, हर एहसास में मेरे पापा की अनुपस्थिति इतनी दुर्लव और अद्रुस्य गहराई है जो बयान नहीं हो सकता। मेरा नाम, काम, अस्तित्व केवल मेरे पापा, मेरे पापा के साथ मेरा अटूट रिश्ता है। मैं हमेशा सोचती थी, मेरे पापा अविभाज्य है, केवल मेरे है। जीवन दर्शन, भाषा आध्यत्मिकता, हर विषय में वह परिपूर्णथे। जीवन के हर सिचुएशन को खुद ही बढ़िया से संभालते थे। दुनिया की हर सुख सुविधा दिए थे हमको। प्राथमिक विद्यालय से लेकर विश्व विधालय तक के हर सफर में वह मेरी प्रेरणा व गुरुथे। जीवन में हर चीज खुद के दम पर करना सिखाया था पापा ने। बस दुनियादारी आधा सीखा पाए। मेरे पापा की छत्रछाया की मधुरता और शीतलता में बीते हुए पल में यदि मैंने कुछ अच्छे काम किए हैं तो वो सब मेरे पापा की संस्कार है और जो भी गलती है सब मेरे है। आज भी पापा का वह चेहरा मेरे आंखों में झलकती है। उनकी सिखाये हर बात याद आती है। अब जीवन की मूल धारा प्रभु श्रीजगन्नाथ है। मेरे भगवान हर ओड़िया के हृदय से निकल कर कंठ से प्रवाहित हो के मुख से प्रकाशित होते है की ....."करी कराऊथाऊ तुहि तो बिनू अन्यगति नाही।"

"मेरी प्यारी माँ"

जब हाल बेहाल हो जाता है,
अकल काम नहीं करता है।

अकेले लड़ नहीं पाते है,
तब उन की याद आती है।
जब भी दिल घबराता है,
कुछ समझ नहीं आता है।
"माँ" वो नाम ही काफी है
जो सब ठिकाने लाती है।

हमारे लिए वो जग से लड़ जाती है,
साथ ही साथ हमे संभाल भी लेती है।
खुद के लिए वो लापरवाह है,
किन्तु हमारा जतन वो करती है।
खुद रह जाती है वो भूखी,
परंतु हम को खाना खिलाती है।
"माँ" तो वो दवाई होती है
जो बच्चो का दुख हर लेती है।

वसुदेव नंदन कोई न कहता,
कृष्ण देवकी नंदन होता है।
रघुकुल तिलक दशरथ का नहीं,
वो कौशल्या नंदन कहलाता है।
अनुगामी वो शिव का न कहलता
वो तो पार्वती नन्दन नामित है।
"माँ" कोई शब्द नहीं,
वो बच्चों की पहचान होती है।

वर्षारानी प्रतिहारी
लिपिक

एकता की कुछ निशानी

जमीने बांटते फिरते हो,
ये आसमान बाँटो तो माने
अलग किए इंसान बड़े
परिंदे छाँटो तो माने ।

जब पैदा हुआ था ये आदमी
तो क्या था-हिन्दू या मुसलमान?
मजहब बताये तो माने।

जब खुन की जरूरत होती है,
तो पुछते हो -किसका है ?
दुसरे जाती का खुन, डॉक्टर को
लौटाए तो माने।

चाँद से भी कुछ सीख लिया करो
ईद का भी , और करवा चौथ का भी
काटते रहते हो-नस्ले-फसले
ये बैर काटो तो माने.....

-स्निग्धा सेठी
पुत्री : स्वाधीन कुमार सेठी, स.ले.प.अ

मुर्दों का शहर

हम मुर्दों के शहर में हैं, किसी को
जगाना बेकार है।
आत्मा उसकी जा चुकी है, शरीर बस
बेकार है।।
अपने लिए जीता है, उसके लिए कहाँ
संसार है।
समाज से कहां रहा, उसका सरोकार
है।।
वो जिंदा भी है गर , मगर उसके खून में
व्यापार है।
अपनों से भी फायदा यही उसका
आधार है।।
जगाना गुनाह है उसे क्यूंकि वह बीमार
है ।
आप चाहे जितना कोशिश करलो, सब
बेकार है।।
कैसे जिए, क्या करें , उससे कहां उसे
सरोकार है।
वो जिंदा होकर भी मुर्दा है, या यूं कहे
उसका जीना बेकार है।।
खुश रहिए, जिंदगी को जीयें, अब यही
दरकार है।।
मुर्दों से उम्मीद न रखें, वो कल भी बेकार
थे, आज भी बेकार है

राजीव कुमार
सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

"पदोन्नति एवं सेवानिवृत्ति बधाई"

क्र.सं	कार्मिकों के नाम (श्री/सुश्री)	पदनाम	सेवानिवृत्ति दिनांक
1.	बाबाजी चरण प्रधान	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	28.02.2023
2.	आनंद चन्द्र नायक	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	31.03.2023
3.	आनंद कुमार हंसदाह	पर्यवेक्षक	31.05.2023

जनवरी-2023 से जून-2023 के दौरान लेखापरीक्षा प्रबंधन समूह-II, पुरी में कार्यभार ग्रहण करने वाले कार्मिकों का विवरण

क्र.सं	कार्मिकों के नाम (श्री/सुश्री)	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
01	राजेश कुमार नोनिया	सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	19.04.2023
02	सुमन राज	लेखा परीक्षक	19.04.2023